No of Questions : 30
No of Pages : 5

नामांक

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

# माध्यमिक परीक्षा, 2019–20

# हिन्दी

# मॉडल पेपर 5

**समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे** **पूर्णांक : 80**

**परीक्षार्थियों के लिए के लिये सामान्य निर्देश :–**

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

---

## खण्ड–अ

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

सन् 1908 ई. की बात है। दिसंबर का आखरी या जनवरी का प्रारंभ होगा। चिल्ला जाड़ा पड़ रहा था। दो–चार दिन पूर्व कुछ बूँदा–बाँदी हो गई थी, इसलिए शीत की भयंकरता और भी बढ़ गई थी। सायंकाल के साढ़े तीन या चार बजे होंगे। कई साथियों के साथ में झरबेरी के बेर तोड़–तोड़कर खा रहा था कि गाँव के पास से एक आदमी ने ज़ोर से पुकारा कि तुम्हारे भाई बुला रहे हैं, शीघ्र ही घर लौट जाओ। मैं घर को चलने लगा। साथ में छोटा भाई भी था। भाई साहब की मार का डर था इसलिए सहमा हुआ चला जाता था। समझ में नहीं आता था कि कोन–सा कसूर बन पड़ा। डरते–डरते घर में घुसा। आशंका थी कि बेर खाने के अपराध में ही तो पेशी न हो। पर आँगन में भाई साहब को पत्र लिखते पाया। अब पिटने का भय दूर हुआ। हमें देखकर भाई साहब ने कहा– **इन पत्रों को ले जाकर मक्खनपुर डाकखाने में डाल आओ। तेज़ी से जाना, जिससे शाम की डाक में चिट्ठियाँ निकल जाएँ। ये बड़ी ज़रूरी हैं।**

**1.** प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

**2.** लेखक को घर किसने बुलाया था? 1

**3.** लेखक को घर जाने में किस का डर सता रहा था? 2

**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

मानव के सुख दुखों में नित्य पनपकर


www.rbse.online

इनसे ऊपर, जीवन में ही बहता हूँ।
मैं क्षण के चपल विहंगों का गायन हूँ
मैं सतत–समय–धारा सपना प्यारा।
मैं देख रहा हूँ कितना मिथ्या भौतिक
पतनोन्नति का सत्य, अरे बेचारा।
मैं चिन्तक हूँ, शाश्वत का कवि हूँ, भाई
मैं ईमान गरीब जनों का प्यारा
मैं श्रद्धा हूँ, आकुल की करूण रूलाई
मैं उत्साह अखण्ड, अडिग तरूणों का न्यारा।

**4.** कवि के अनुसार वास्तविक जीवन है? 1

**5.** पीड़ित की करूण रूलाई को कहाँ अभिव्यक्ति मिलती है? 1

**6.** युवाओं में अडिग उत्साह का संचार कौन करता है? 2

## खण्ड–ब

**7.** दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

1. दहेज–प्रथा
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) दहेज–प्रथा का अर्थ
   - (ग) नारी का सम्मान
   - (घ) दिखावे की भावना
   - (ङ) समस्या का समाधान
   - (च) नारी की आर्थिक स्वतंत्रता
   - (छ) निष्कर्ष
2. बढ़ती हुई महँगाई
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) जनसंख्या में वृद्धि
   - (ग) उत्पादन में कमी
   - (घ) भ्रष्ट वितरण–प्रणाली
   - (ङ) जमाखोरी
   - (च) युद्ध के कारण
   - (छ) महँगाई के दुष्परिणाम
   - (ज) उपसंहार
3. भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) वृक्ष संरक्षण
   - (ग) नदी–पर्वत संरक्षण
   - (घ) उपसंहार

4. प्रकृति का सौन्दर्य : वसन्त
   (क) प्रस्तावना
   (ख) भारत में ऋतुएँ
   (ग) ऋतुराज कहलाने का कारण
   (घ) प्राकृतिक वातावरण
   (ङ) उपसंहार

**8.** कल्पना कीजिए कि आप बाल भारती शिक्षा विद्यापीठ, जयपुर के छात्र गौरव भारतीय हैं। विद्यालय में भौतिक सुविधाओं की कमी का उल्लेख करते हुए उसकी पूर्ति हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 4

**अथवा**

**8.** स्वयं को उदयपुर निवासी साक्षी मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा संबंधी पत्र लिखिए, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही सन्देहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो। 4

## खण्ड–स

**9.** **अर्श तैर रहा है।** वाक्य में कौनसी क्रिया है? उसकी परिभाषा लिखिए। 2

**10.** वाच्य किसे कहते हैं और ये कितने प्रकार के होते हैं? 3

**11.** कर्मधारय समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 2

**12.** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 2 = 2$
   1. मैंने तेरे को बहुत समझाया।
   2. तुम तुम्हारा काम करो।

**13.** निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए। $1 \times 2 = 2$
   1. प्राणांत होना
   2. जान हथेली पर लेकर चलना

**14.** **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता** लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

## खण्ड–द

**15.** निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि–किंकिनि में धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बन–माल सुहाई।।
माथे किरीट, बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुख चंद जुन्हाई।
जै जग–मंदिर–दीपक सुंदर, श्रीब्रज–दूलह देव–सहाई।।

**अथवा**

**15.** निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

धार में धाय धँसी निरधार ह्वै, जाय फँसी, उकसीं न अबेरी।
री अंगराय गिरीं गहरी, गहि, फेरे फिरीं और घिरी नहीं घेरी।।


www.rbse.online

देव कछू अपनो बस ना, रस–लालच लाल चितै भयीं चेरी।
बेगि ही बूड़ि गयी पँखियाँ, अखियाँ मधु की मखियाँ भयीं मेरी।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6
नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं। अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है कि वे संस्कृत न बोल सकती थीं। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने का सबूत है और न गँवार होने का। अच्छा तो उत्तररामचरित में ऋषियों की वेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन–सी भाषा बोलती थीं? उनकी संस्कृत क्या कोई गँवारी संस्कृत थी? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस जमाने के हैं, उस जमाने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले तब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अपढ़ बताने का साहस करे।

**अथवा**

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6
इसका क्या सबूत कि उस जमाने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों तथा जैनों के हजारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते और भगवान शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों उपदेश देते? बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की रचना प्राकृत में किए जाने का एकमात्र कारण यही है कि उस जमाने में प्राकृत ही सर्वसाधारण की भाषा थी। अतएव प्राकृत बोलना और लिखना अपढ़ और अशिक्षित होने का चिह्न नहीं। जिन पंडितों ने **गाथा–सप्तशती, सेतुबंध–महाकाव्य** और **कुमारपाल चरित** आदि ग्रंथ प्राकृत में बनाए हैं, वे यदि अपढ़ और गँवार थे तो हिन्दी के प्रसिद्ध से भी प्रसिद्ध अखबार का सम्पादक इस जमाने में अपढ़ और गँवार कहा जा सकता है, क्योंकि वह अपने जमाने की प्रचलित भाषा में अखबार लिखता है।

17. संकलित अंश के आधार पर वाणी के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 6

**अथवा**

17. **कृपाराम खिड़िया कृत सोरठों** में कवि की विद्वता, बहुज्ञता एवं अनुभव की व्यापकता प्रकट होती है। संकलित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 6

18. **भारत प्रकृति का खूबसूरत उपहार है।** पाठ के आलोक में इस कथन की व्याख्या कीजिए। 6

**अथवा**

18. **आखिरी चट्टान** के नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिए। 6

19. **लक्ष्मण–परशुराम संवाद** प्रसंग के आधार पर परशुराम के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

20. **विनम्र और कोमल स्वभाव वाला व्यक्ति सहज ही दूसरों के मध्य अपनी पहचान बना लेता है।** संकलित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

21. **उषा की लाली** कविता का शिल्प–सौंदर्य लिखिए। 2

22. हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिये? 2

23. मन बहुत बैचेन था ..... लग रहा था कि वहाँ से तुरन्त लौट जाना पड़ेगा। स्पष्ट कीजिए। 2

**24.** **एकै मारग तें सब आया** इत्यादि कथन से सन्त पीपा ने क्या संदेश व्यक्त किया? 2

**25.** कवि ने किस प्रकार के नगर की अपेक्षा निर्जन वन में रहना अच्छा बताया है? 1

**26.** **जन्मजात प्रवृत्तियों में बदलाव असंभव है।** संकलित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 1

**27.** कन्याकुमारी में किन तीन सागरों का संगम होता है? 1

**28.** नीत्से ने ईर्ष्यालु व्यक्ति को क्या कहकर उनकी उपेक्षा की है? 1

**29.** कवि कृपाराम खिड़िया का साहित्यिक परिचय संक्षेप में लिखिए। 4

**30.** मोहन राकेश के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय दीजिए। 4

*******

सत्र 2020-21 से नये पाठ्यक्रमानुसार सभी कक्षाओं के सभी विषयों की टेक्स्ट बुक एवं सभी प्रकार की सहायक अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों को मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा एवं वेबसाइट www.rbse.online पर उपलब्ध करवायी जाएगी। इसके लिये विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके लिये विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का कोई OTP Verification या Email द्वारा Verification नहीं देना होगा। हमारा व्हाट्सएप नम्बर जानने या अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये वेबसाइट www.rbse.online पर विजिट करें।